एक नजर में

पद्मश्री मोहन नागर का शुजालपुर में प्रथम नागरिक अभिनंदन

शुजालपुर, 18 जुलाई . मां शारदा सांदीपनि विद्यालय में शनिवार को मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पद्मश्री सम्मानित मोहन नागर का प्रथम नागरिक अभिनंदन समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया. नवांकुर सामाजिक संस्थाओं एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों ने उनका नागरिक अभिनंदन कर जल संरक्षण के क्षेत्र में उनके योगदान का सम्मान किया. समारोह में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री इंदर सिंह परमार, कालापीपल विधायक घनश्याम चंद्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिंह सिसोदिया, नगर पालिका अध्यक्ष बबीता परमार, पूर्व नपा अध्यक्ष अशोक नायक, जिला महामंत्री विजय बेस, संभाग समन्वयक शिवप्रसाद मालवीय, जिला समन्वयक विष्णु प्रसाद नागर सहित जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे. स्वागत एवं अतिथि परिचय के बाद कैबिनेट मंत्री इंदर सिंह परमार ने पद्मश्री मोहन नागर के सामाजिक एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनका जीवन समाज के लिए प्रेरणास्रोत है. इसके बाद अन्य अतिथियों ने भी अपने विचार रखे. अपने संबोधन में पद्मश्री मोहन नागर ने कहा कि जल संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है. लगातार गिरते भू.जल स्तर और बढ़ते तापमान को देखते हुए प्रत्येक नागरिक को पानी बचाने का संकल्प लेना होगा. उन्होंने कहा कि जल संरक्षण केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति का दायित्व है. उन्होंने समाज में व्यापक जन-जागरण के लिए पानी की पाठशाला चलाने का आह्वान करते हुए कहा कि जब तक हर व्यक्ति जल का महत्व नहीं समझेगा, तब तक भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकेगा. उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि प्रदेश में अनेक जल संरचनाओं के निर्माण से जल संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय परिणाम मिले हैं. उनके संबोधन के बाद पूरा सभागार खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत करता रहा. इस अवसर पर नवांकुर सामाजिक संस्थाओं की ओर से उन्हें अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिसर एवं जटाशंकर मंदिर परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया. इस दौरान ब्लॉक समन्वयक सीमा बैंडवाल, धन सिंह धनगर, बसंत रावत सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे. संचालन राहुल विश्वकर्मा ने किया.

200 लोगों ने कराई आंखों की जांच

शाजापुर, 18 जुलाई . जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाजापुर द्वारा आनंद नेत्रालय के सहयोग से जिला न्यायालय परिसर में एक दिवसीय नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया. शिविर में कुल 200 नागरिकों ने अपनी आंखों की जांच कराई तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों से आवश्यक परामर्श प्राप्त किया. शिविर का शुभारंभ प्रात: 10.30 बजे प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष आनंद कुमार तिवारी द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया. कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश अंजनी नंदन जोशी, प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय दिनेश कुमार सिंह, जिला न्यायाधीशगण जितेन्द्र कुमार पराशर, गिर्राज प्रसाद गर्ग, दिलीप सिंह, श्रीमती रंजीताराव सोलंकी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती सुनयना श्रीवास्तव, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती नमिता बौरासी, व्यवहार न्यायाधीशगण श्रीमती प्रेमलता जितेन्द्र गोयल, श्रीमती अनुष्का शर्मा, श्रीमती मोहिनी भदोरिया, श्रीमती जयश्री आर्यन मेहरा, प्रशिक्षु न्यायाधीश सुश्री हरप्रीत कौर परिहार, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्रीमती शिखा शर्मा, जिला अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी, लीगल एंड डिफेन्स काउंसिल का स्टाफ, अधिवक्तागण तथा न्यायालयीन कर्मचारीगण विशेष रूप से उपस्थित रहे. शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. ऋतिक शुक्ला द्वारा नि:शुल्क नेत्र परीक्षण किया गया. इस कार्य में रवि कारपेंटर, राहुल शर्मा एवं दिनेश गोस्वामी ने सहयोग प्रदान किया.

दिव्यांगों के लिए सहारा बना शिविर

शुजालपुर, 18 जुलाई . दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में शनिवार को जेएनएस महाविद्यालय परिसर में सहायक उपकरण वितरण शिविर आयोजित किया गया. भोजमुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित शिविर में प्रदेश के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने मुख्य अतिथि के रूप में 45 दिव्यांग हितग्राहियों को 164 सहायक उपकरण वितरित किए. इस अवसर पर भोजमुक्त विश्वविद्यालय के कुलगुरु मिलिंद दांडेकर, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिंह सिसोदिया, विजय सिंह बैस, हेमंत केशवाल, जनपद पंचायत शुजालपुर की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्दी कोरव सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे. शिविर में 2 मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, 6 ट्राइसाइकिल, 66 श्रवण यंत्र, 17 कमर बेल्ट, 36 घुटना बेल्ट, 6 बैसाखियां, 24 छड़ियां, 3 व्हीलचेयर, 2 कंधा बेल्ट, 1 रोलेटर तथा 2 टीएलएम किट सहित कुल 164 सहायक उपकरण वितरित किए गए. इस अवसर पर मंत्री परमार ने कहा कि दिव्यांगजन समाज की महत्वपूर्ण शक्ति हैं. उन्हें केवल सहायक उपकरण उपलब्ध कराना ही उद्देश्य नहीं है, बल्कि सम्मानजनक आजीविका से जोड़ना भी सरकार की प्राथमिकता है. उन्होंने बताया कि शुजालपुर से दिव्यांगजनों को किराना दुकान, कंप्यूटर संचालित केंद्र सहित अन्य स्वरोजगार गतिविधियों से जोड़ने की पहल की जाएगी, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें. शिविर के सफल आयोजन में सामाजिक सुरक्षा अधिकारी सतीश परमार, एडीईओ, पीसीओ, जनपद पंचायत स्टाफ, ग्राम पंचायत सचिवों एवं रोजगार सहायकों का विशेष सहयोग रहा.

दो वर्ष से थाने पर जमे टीआई साहब, अब क्यों खटके आंखों में...

राजनीतिक संरक्षण में चल रहा था शुजालपुर में नशे का कारोबार

शाजापुर। शाजापुर जिले की राजनीतिक राजधानी शुजालपुर है। जहां जुआ-सट्टा और नशे का कारोबार पूरे शबाब पर रहा है। बीते दो सालों में कभी भी नशे के कारोबार को लेकर न आंदोलन हुआ, न धरना प्रदर्शन, न ही किसी नेता ने इसका विरोध किया, लेकिन अचानक शुजालपुर के थाना प्रभारी उन सबकी आंखों में खटकने लगे। जो कल तक उन सबके प्रिय थे। राजनीतिक संरक्षण के बिना पत्ता भी नहीं हिल सकता है। दो साल से शुजालपुर में राजनीतिक संरक्षण की छाया में सट्टे और नशे का कारोबार अपनी जड़ें जमा चुका था, लेकिन अब अचानक शुजालपुर पुलिस उन नेताओं के लिए निष्क्रिय हो गई, जो पुलिस कल तक उनकी मददगार बनी रही।

गौरतलब है कि शुजालपुर में नशे के कारोबार को लेकर राजनीतिक बयानबाजी, धरना प्रदर्शन सब एक सिक्के दो पहलु हैं. यदि शुजालपुर के टीआई प्रवीण पाठक निष्क्रिय, नाकारा और काम न करने वाले भ्रष्ट टीआई थे, जैसा कि एसडीओपी कार्यालय के घेराव के दौरान लोगों ने आरोप लगाया, तो अभी तक थाना प्रभारी को शुजालपुर से हटवाया क्यों नहीं। आखिर किसने प्रवीण पाठक को कुर्सी के लिए संरक्षण दे रखा था। शुजालपुर में प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री हैं और यदि प्रवीण पाठक शुजालपुर में नशे के कारोबार को बंद नहीं करा पा रहे थे, जुएं-सट्टे को बंद नहीं करा पा रहे थे, तो उन्हें हटाना मंत्री के लिए कोई बड़ी बात नहीं थी। एक फोन पर थाना प्रभारी पाठक कुर्सी से उतर जाते, लेकिन दो साल तक पाठक को पाला-पोसा. आज अचानक वो ही पाठक कुर्सी का बोझ कैसे बन गए।

अपनी छवि बचाने के लिए प्रवीण पाठक को बना सकते हैं बलि का बकरा

बिना राजनीतिक संरक्षण के मजाल है सटोरिये, जुआरी या ड्रग्स का कारोबार संचालित हो जाए. लेकिन एक तरफ पुलिस को राजनीतिक संरक्षण देकर जुआं-सट्टा चलाया जाता है और जब खुद की छवि खराब होने का भय लगता है, तो वही नेता पुलिस को कोसते नजर आते हैं. शुजालपुर में भी कुछ ऐसा ही नजर आ रहा है. शुजालपुर के नेता अपनी छबि चमकाने के लिए प्रवीण पाठक को बलि का बकरा बना सकते हैं. अब देखना है कि प्रवीण पाठक को शुजालपुर से हटाया जाता है या फिर ये मुद्दा केवल प्रपोगंडा बनकर रह जाता है.

...तो फिर दो साल से मौन क्यों?

यदि शुजालपुर थाना प्रभारी प्रवीण पाठक निष्क्रिय और नशे के कारोबार पर लगाम नहीं लगा पा रहे थे, तो लगभग दो साल से उन्हें क्यों नहीं हटाया गया. क्या मजबूरी थी कि प्रवीण पाठक को शुजालपुर थाने से नहीं हटाया गया। ऐसा क्या कारण था कि शुजालपुर में सट्टे-जुएं और नशे का कारोबार चरम पर था, लेकिन थाना प्रभारी को नहीं हटाया गया, आखिर किसका संरक्षण था थाना प्रभारी प्रवीण पाठक को. ये ऐसे सवाल हैं, जिनका जवाब शुजालपुर के राजनेताओं से भी लेना चाहिए. आज शुजालपुर में अचानक नशे के कारोबार को लेकर एसडीओपी कार्यालय का घेराव हुआ. पुलिस-प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगे. लेकिन सवाल यह उठता है कि जिस हिसाब से शुजालपुर में नशे के कारोबार की बात की जा रही है, तो पुलिस-प्रशासन मुर्दाबाद के नारे पहले क्यों नहीं लगाए गए. आखिर किसके संरक्षण में शुजालपुर पुलिस पोषित हो रही थी।

सीईओ ने पशुपालकों के घर जाकर की चर्चा

शाजापुर। दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान तृतीय चरण में जिले के ग्राम भिलवाड़िया में जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी मनीषा वास्कले, पशुपालक महेश कुमार एवं भेरू सिंह के घर जाकर संपर्क किया गया. इस दौरान पशुपालकों से दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए उनके पशु पोषण, पशु स्वास्थ्य एवं पशु प्रजनन के बारे में विस्तृत चर्चा की गई. इस अवसर पर उप संचालक डॉ. प्रशांत महाडिक, पशु प्रजनन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विक्रम सिंह, ग्राम पंचायत सरपंच, मैत्री गौ सेवक बालकृष्ण पाटीदार तथा पशुपालकगण उपस्थित थे.

विशेष लोक अदालत 21 से 23 अगस्त तक- शाजापुर, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार समाधान समारोह अंतर्गत 21, 22 एवं 23 अगस्त को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा.

मतलब पड़े तो सारे अनुबंध हो गए, नेवले के भी सांपों से संबंध हो गए

बात शाजापुर की
मनोज पुरोहित

राजनीति के बदलते रिश्ते और राजनीति में जो समय पर रंग बदलना जानता है, उसकी ही राजनीति रंगीन है. कांग्रेस की राजनीति में कल तक जो सांप और नेवले की भूमिका में थे, उनके सारे गिले-शिकवे दूर हो गए और आज उनके बीच सभी अनुबंध हो गए. पिछले दिनों कांग्रेस की राजनीति में लगभग एक्सपायरी हाशिये पर चल रहे वरिष्ठ विधायक अजय सिंह शाजापुर की कांग्रेस को एक करने आए थे, लेकिन उन्होंने घर-घर जाकर नए कबीलों को जन्म दे दिया. कांग्रेस की राजनीति में इन दिनों गुटबाजी का मसालेदार सूप तैयार है और इस मसालेदार सूप का मजा वे नेता ले रहे हैं, जो कभी एक-दूसरे के सामने बैठना तो दूर देखना पसंद नहीं करते थे. कांग्रेस की राजनीति में शहर के कांग्रेसी नेताओं की विचारधारा का रंग उतनी जल्दी नहीं बदलता, जितनी जल्दी शाजापुर की राजनीति के मौसम में नमी आती है. चंद महीने पहले ही जो लोग एक-दूसरे को पानी पी-पीकर कोस रहे थे, वे आज एक ही थाली में सियासी खिचड़ी पकाते नजर आए. जो कल तक हुकुमसिंह के हुकुम की तामिल करना अपना बढ़प्पन मानते थे, वे लोग जो हर चुनाव में हुकुमसिंह और रामवीरसिंह को हराने के लिए ताकत झौंक देते थे, लेकिन अजय सिंह के दौरे पर वे हर नेता कांग्रेस को मजबूत करने की बात करते दिखे. जो सबसे बड़ा कॉमेडी शो का हिस्सा नजर आया. जिन लोगों ने 25 साल हुकुमसिंह का विरोध किया, जिन लोगों ने बीते विधानसभा चुनाव में सिकरवार को हराने के लिए स्लीपर सेल की भूमिका निभाई, उनमें से कुछ कराड़ा के आजू-बाजू कुटिल मुस्कान के साथ बैठे नजर आए, तो कुछ सिकरवार के साथ चाय की चुस्की के साथ मंद-मंद मुस्काते दिखाई दिए. यही राजनीति में जो कोई नहीं समझ पाया. राजनीति के बदलते रिश्ते तभी सफल होते हैं, जब रिश्तों में गिरगिट जैसे रंग बदलने की कला कूट-कूटकर भरी हो. कल तक जिसे आप राजनीति में कट्टर दुश्मन मानते थे, आज उसी दुश्मन के मंच पर माला पहने मुस्काते दिख रहे नेता. कार्यकर्ताओं की हालत भाजपा और कांग्रेस में उस दर्शक जैसी है, जो फिल्म देखते-देखते इंटरवल में भूल जाता है कि हीरो कौन है और विलेन कौन है. क्योंकि हर क्लाइमेक्स के बाद राजनीतिक पटकथा बदल जाती है.

हे एलेक्सा... इस समिति में मेरा काम क्या है...?

पिछले दिनों थोक में सरकारी समितियों के सदस्यों की घोषणा हुई. इन समितियों में जो लोग शामिल किए गए हैं, उन्हें आज तक ये नहीं पता कि उस समिति में इनकी भूमिका और अधिकार क्या हैं. अपनी भूमिका और अधिकार जानने के लिए ये समिति सदस्य इन दिनों चैट जीपीटी और एआई की मदद ले रहे हैं. साथ ही एलेक्सा और जेमिनी से पूछ रहे हैं कि इस समिति में क्या-क्या होता है और हमारे अधिकार क्या हैं. हालांकि इन समितियों में जो सदस्य मनोनीत किए गए हैं, उन्हें साइकिल पर लगे डंडे की छोटी सीट पर बैठाने जैसा काम है. अब देखना है कि विभाग की समितियां इन सदस्यों को कब कलफदार कुर्ता पहनने और साथ में एक प्याला चाय ऑफर करती है.

अपने-अपने आका पे सबको बड़ा नाज है...

राजनीति में हर कार्यकर्ता का अपना आका है और हर नेता का गॉड फादर है. बड़े नेताओं के गॉड फादर दिल्ली, भोपाल में पाए जाते हैं, तो कार्यकर्ताओं के आका जिले की राजनीति तक सीमित रहते हैं. दोनों दलों में आका पद्धति देखने को मिलती है. जिस कार्यकर्ता का आका अर्श पर होता है, तो कार्यकर्ता भी अर्श पर होते हैं और जिन कार्यकर्ताओं का आका फर्श पर होता है, तो कार्यकर्ता भी फर्श पर होते हैं. कार्यकर्ताओं का भविष्य उनकी पार्टी या काम करने पर नहीं, आकाओं के राजनीतिक भविष्य पर निर्भर है. जो कार्यकर्ता अपने आका का चमचा इन चीफ (सीआईसी) होता है, वो मजे में होता है.

अंत में...

कल तक जो लहू पीने की कसम खाया करते थे, आज एक ही थाली में स्वाद चखा करते हैं... ये शाजापुर है साहब, यहां सब मुमकिन है, यहां सांप और नेवले भी दोस्ती निभाया करते हैं...

अभाविप ने सांदीपनी विद्यालय गेट पर जड़ा ताला

बसों की कमी को लेकर जताया विरोध, जल्द व्यवस्था करने की भी की मांग

शाजापुर। बसों की मांग को लेकर सरदार वल्लभभाई पटेल सांदीपनि विद्यालय के मुख्य गेट पर शनिवार को एबीवीपी कार्यकर्ता और छात्रों ने प्रदर्शन करते हुए विद्यालय के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया. सूचना पर प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और समझाइश के बाद मामला शांत कराया।

प्रदर्शन के दौरान जिला पंचायत सीईओ, एसडीएम मनीषा वास्कले, तहसीलदार गौरव पोरवाल, एसडीओपी अजय मिश्रा और लालघाटी थाना प्रभारी अर्जुन सिंह मुजाल्दे सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे. एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने जिला शिक्षा अधिकारी दीपा किर को ज्ञापन सौंपकर एक सप्ताह के भीतर अतिरिक्त बसों की व्यवस्था करने की मांग की. अभाविप के नगर मंत्री आयुष शर्मा ने कहा कि यदि एक सप्ताह के भीतर बसों की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो परिषद उग्र आंदोलन करेगी और सड़क पर चक्का जाम किया जाएगा. इसकी जिम्मेदारी स्कूल प्रशासन और जिला शिक्षा अधिकारी की होगी. मामले में जिला शिक्षा अधिकारी दीपा किर ने बताया कि इस साल नए प्रवेश के कारण स्कूल में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ी है, जिससे अतिरिक्त बसों की जरूरत पड़ी है. इसके लिए कमिश्नर को प्रस्ताव भेजा जा चुका है. उन्होंने बताया कि पहले भी प्रस्ताव भेजा गया था, लेकिन अन्य जिलों से मांग नहीं आने के कारण प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी. उन्होंने कहा कि हाल ही में डीपीआई स्तर पर इस संबंध में चर्चा हुई है. सभी जिलों के प्रस्ताव एक साथ भेजे जाएंगे. वित्त विभाग से स्वीकृति मिलने के बाद अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की जाएगी. वर्तमान में विद्यालय में 15 बसें संचालित हैं, जबकि यहां करीब 2,800 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं. विद्यार्थियों का कहना है कि बसों की कमी के कारण उन्हें हर दिन स्कूल आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

नशे के खिलाफ एबीवीपी का प्रदर्शन

एसडीओपी कार्यालय का घेराव कर सौंपा ज्ञापन

ज्ञापन सौपते एबीवीपी कार्यकर्ता

शुजालपुर। शहर में स्मैक एवं एविल इंजेक्शन के कथित अवैध कारोबार को लेकर बढ़ते जनाक्रोश के बीच शनिवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एबीवीपी ने आंदोलन किया.

परिषद के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने एसडीओपी कार्यालय का घेराव कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया और नशे के कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा. प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने हनुमान चालीसा का पाठ किया और नशे के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. एबीवीपी ने आरोप लगाया कि शहर में लंबे समय से नशे का अवैध कारोबार संचालित हो रहा है, जिससे युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है. परिषद ने इसको लेकर संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों को हटाने तथा पूरे नेटवर्क का खुलासा कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की. प्रदर्शन की सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया.

नायब तहसीलदार एवं बेरछा एसडीओपी मौके पर पहुंचे और परिषद पदाधिकारियों से चर्चा के बाद ज्ञापन प्राप्त किया. परिषद ने पूरे नशा तंत्र का पर्दाफाश कर इसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की. एबीवीपी के नगर मंत्री अजय गुर्जर ने प्रशासन को 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि निर्धारित समय में प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो परिषद चरणबद्ध एवं व्यापक जनआंदोलन शुरू करेगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी.

पुरानी रंजिश में युवक पर चाकू से हमला

शुजालपुर। पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर चाकू और डंडे से हमला करने का मामला सामने आया है. घायल युवक की शिकायत पर पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मारपीट, जान से मारने की धमकी और एससी-एसटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

पुलिस के अनुसार वार्ड क्रमांक 19 मिर्ची बाजार निवासी राहुल बिलवान ने शिकायत दर्ज कराई कि वह भद्रकाली शराब कंपनी में कार्यरत है. शुक्रवार शाम करीब 4.30 बजे वह कालापीपल से शुजालपुर मंडी लौट रहा था. इसी दौरान ग्राम हिराना के पास रेलवे अंडरब्रिज के निकट ज्ञान सिंह मेवाड़ा, अरविंद मेवाड़ा उर्फ दवा, महेन्द्र मेवाड़ा और सुनील ने उसे रोक लिया. फरियादी के अनुसार पुरानी रंजिश को लेकर आरोपियों ने पहले जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज की. विरोध करने पर महेंद्र और अरविंद ने उसके साथ लात-घूंसों से मारपीट की. आरोप है कि ज्ञान सिंह ने चाकू से हमला कर उसके हाथ और पेट में चोट पहुंचाई, जबकि सुनील ने डंडे से पीठ पर वार किया. घटना के दौरान राहुल के साथ मौजूद उसके मित्र विजय जाट ने बीच-बचाव किया. फरियादी का आरोप है कि जाते समय आरोपियों ने दोबारा अकेले मिलने पर जान से मारने की धमकी भी दी. घायल को पुलिस ने उपचार के लिए शासकीय अस्पताल भेजा, जहां चिकित्सकीय परीक्षण के बाद उसकी रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज किया गया.

आज 8 से 12.30 तक बंद रहेगी बिजली

शाजापुर, 18 जुलाई. हॉस्पिटल में काम होने और न्यू कलेक्ट फीडर का कार्य होने के कारण लालघाटी उपकेंद्र से निर्गमित 11 केवी जेल एवं 11 केवी इमरजेंसी 19 जुलाई को सुबह 8 से दोपहर 12.30 बजे तक बंद रहेगा. जिसमें हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, जेल, कलेक्ट्रेट, ट्रामा सेंटर, डाइट कॉलेज, केंद्रीय विद्यालय, एसपी ऑफिस, विजय नगर, ज्योति नगर और राजराजेश्वरी मंदिर, डॉ. भीमराव अंबेडकर हॉस्पिटल, ज्योति नगर आदि क्षेत्रों का विद्युत प्रदाय बंद रहेगा.

दिन दहाड़े बाइक चोरी, पीड़ित ने की शिकायत

मक्सी, 18 जुलाई. नगर में वाहन चोरों के हौसले बुलंद होते नजर आ रहे हैं.12 दिन पहले का मामला मक्सी थाना क्षेत्र का है, जहां नर्मदा मार्ट के सामने सड़क किनारे खड़ी एक मोटरसाइकिल दिन दहाड़े चोरी हो गई. पीड़ित युवक ने मक्सी थाने में लिखित शिकायत देकर पुलिस से बाइक बरामद करने एवं आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है. प्राप्त जानकारी के अनुसार नई आबादी मक्सी निवासी विवेक लोधी 18 पिता कैलाश लोधी 6 जुलाई 2026 की सुबह करीब 9 बजे अपनी पैशन प्रो मोटरसाइकिल से नर्मदा मार्ट पर काम करने गया था. उसने अपनी बाइक सड़क किनारे खड़ी कर दी थी. दोपहर करीब 1 बजे जब वह बाहर आया तो मोटरसाइकिल मौके से गायब थी. पीड़ित ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन बाइक का कोई सुराग नहीं मिला. इसके बाद उसने मक्सी थाने पहुंचकर लिखित आवेदन दिया. आवेदन में बताया गया है कि बाइक के सामने लगे मास्क पर जय श्री महाकाल लिखा हुआ है. पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है.

एक नजर में — एनक्यूएएस मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन का मिला सम्मान, 2 लाख की प्रोत्साहन राशि से स्वास्थ्य सेवाएं होंगी और सुदृढ़

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मक्सी को कायाकल्प अवॉर्ड से किया सम्मानित

मक्सी । मक्सी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) ने स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट कार्य करते हुए लगातार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर कायाकल्प अवॉर्ड प्राप्त कर शाजापुर जिले का नाम गौरवान्वित किया है. यह सम्मान स्वास्थ्य सुविधाओं, स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रदान किया गया है।

जानकारी के अनुसार, नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड (एनक्यूएएस) के निर्धारित मानकों पर उत्कृष्ट कार्य एवं लगातार बेहतर प्रदर्शन के कारण पीएचसी मक्सी को यह उपलब्धि मिली है. साथ ही इस उपलब्धि पर स्वास्थ्य केंद्र को दो लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि भी प्राप्त होगी. यह सफलता कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कमला आर्य के मार्गदर्शन, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुंदरगढ़ डॉ. गोपाल मकवाना के सहयोग तथा पीएचसी मक्सी के मेडिकल ऑफिसर डॉ. गजेंद्र सिंह जाटव एवं समस्त स्वास्थ्य टीम के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है.

बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने का संकल्प दोहराया

पीएचसी मक्सी द्वारा लगातार कायाकल्प अवॉर्ड हासिल किए जाने से शाजापुर जिले की पहचान प्रदेश स्तर पर और मजबूत हुई है. पीएचसी मक्सी परिवार ने इस उपलब्धि पर नगर के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं पत्रकारों द्वारा मिले निरंतर सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का संकल्प दोहराया.